मल्टी आर्ट एसोसिएशन

वार्षिक प्रतिवेदन

2013–2014

Multi Art Association

-: Reg. Office :-

Maa Bhawan Panki, Road, Redam, Daltongnaj, Palamu

-: Head office / Mailing Address :-

H.No. – 153/A/1, Street :- Bhudandih, Near Bazar Samiti,
Sudna, Daltongnaj, Palamu, Jharkhand-822102

Mob. No.- 09431193202, 09852910778

E-mail Id :- maa.palamu@gmail.com

वार्षिक प्रतिवेदन 2013–2014

–: संस्था का विजन (दृष्टि) :–

दलित–आदिवासी, महिलाओं और बच्चों सहित समाज के कमजोर वर्ग को शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और आजीविका से जोड़ कर एक टिकाउ विकास की परिकल्प करना, जिससे कि पर्यावरण, भाषा संस्कृति, रीति–रीवाज, समाजिक संरचना, मौलिक अधिकार और मानवीय मुल्यों की रक्षा हो सके और स्वास्थ्य समाज की स्थापना किया जा सके।

संस्था की कार्यक्रमों की पृष्ठ भूमिका

मल्टी आर्ट एसोसिएषन सोसाइटी रजिस्ट्रेषन एक्ट की धारा 21, 1860 के तहत निबंधित एक गैर सरकारी संस्था है। संस्था निर्माण काल से ही पलामू प्रमंडल सहित पूरे झारखंड में समाज के दबे कुचले वर्ग के लिए काम करती है, उनके हक व अधिकार के प्रति सजग रही है। इसके साथ ही संस्था सरकार द्वारा समन्वय स्थापित कर सरकारी कार्यक्रमों को बेहतर बनाने तथा उसका समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाने का काम करती रही है। पलामू प्रमंडल जैसे सुखागस्त इलकों में आजीविका के लिए लोगों को काफी संघर्ष करना पढ़ रहा है। उसी संघर्ष से निबटने के लिए संस्था द्वारा आजीविका सुनिष्चित कराने की दिषा में प्रयास शुरू किया गया है। उसी प्रयास के तहत लातेहार जिला में मनिका, बरवाडी, गारू और महुआडांड प्रखंड प्रखंड के करीब 10 गांवों में में लाख की खेती को बढ़ा देने उदेष्य से कार्यक्रम की शुरूआत की गयी, वहीं दूसरी ओर महात्मा गांधी रोजगार गरांटी कानून, ग्राम सभा सषक्तिकरण, वन अधिकार कानून, सूचना के अधिकार अधिनियम, खाद्य सुरक्षा जैसे मामलों को लेकर सांस्था जिला से लेकर राज्य स्तर पर एडभोकेसी करते हुए बेहतर बनाने प्रयास करते है। संस्था जन मुद्दों मीडिया व संचार माध्यमों से जन मुद्दों को लेकर उजागर करते रहते हैं। दलित और आदिवासी समुदाय के लोगों के लिए अनुसूचित जाति उप योजना और अनुसूचित जनजाति उपयोजना के विकास के लिए प्रचार कर उनके प्राधानों को लोगों को बजट के माध्यम से पहुचाने का प्रयास शुरू किया है। इसके षिक्षा अधिकार कानून के प्रवधानों को लोगों के पहुचाकर बच्चों के षिक्षा के अधिकारों को पहुचाने का प्रयास करते आ रही है।

संस्था के बारे में

- संस्था का नाम : मल्टी आर्ट्स एसोसिएशन।
- निबंधित कार्यालय : माँ भवन, पाँकी रोड, रेडमा, मेदिनीनगर, पलामू (झारखण्ड)
- पत्राचार एवं/मुख्य कार्यालय : म.सं. 153/अ/1, मुहल्ला– बुधनडीह, सुदना नियर बाजार समिति,, सुदना, डालटनगंज, पलामू, झारखंड 822102
- संस्था का निबंधन : सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 21, 1860/177/2007–08
- निबंधन संख्या : 177/2007–08
- पैन संख्या : **AACTM9265D**
- **12A** प्रमाण पत्र संख्या : **12A-79/2010-11/2153-60**
- **FCRA No.** : 337790038
  FCRA बैंक खाता संख्या :– 30774140433
  शाखाः–भारतीय स्टेट बैंक, कृषि विकास शाखा, डालटनगंज
- समान्य बैंक खाता संख्या : 32401106459
  शाखाः– भारतीय स्टेट बैंक, कृषि विकास शाखा, डालटनगंज
- खाता संचालन : अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष में से किसी दो संयुक्त हस्ताक्षर से जिसमें कोषाध्यक्ष का हस्ताक्षर अनिवार्य है।

संस्था की कार्यकारी

क्र.सं.	नाम	पता	शैक्षणिक योग्यता	पद
1.	जितेंद्र सिंह	ग्राम चेतता, पो. रौंकी कला थाना–मनिका, जिला–पलामू	आई.टी.आई	अध्यक्ष
2.	मिथिलेष कुमार विष्वकर्मा	नियर, बाजार समिति, सुदना, डालटनगंज, पलामू, झारखंड	एम.ए.आर.डी.	सचिव
3.	जेम्स हेरेंज	ग्राम चेरो पो+थाना –चंदवा जिला– लातेहार	आई.टी.आई	कोषाध्यक्ष
4.	सुमंती कुजूर	ग्राम सरनाडी, पो. –बसकरचा थाना. महुआडांड, लातेहार	आई. ए	कार्यकारिणी सदस्य
5.	नीलम खलखो	ग्राम तम्बोलीनवाडी पो. –बराकरचा थाना–महुआडांड, लातेहार	बी.ए.	कार्यकारिणी सदस्य
6.	संतोष कुमार	ग्राम बारोलोटा, पो. जीएल कॉलेज, डालटनगंज, पलामू	बी.कॉम	कार्यकारिणी सदस्य
7.	वीरेंद्र कुमार पासवान	ग्राम–भुडवा, पो. कांकेकला थाना–पाटन, जिला पलामू	ग्रेजुएट	कार्यकारिणी सदस्य

आच्छादित जिला, प्रखण्ड एवं गांव

क्र. स	जिला	प्रखंड	गांव की संख्या	कार्यक्रम
1.	लातेहार	रवाडीह, मनिका, गारू और महुआडांड	130	सीएफटी, वनाधिकार, नरेगा सहायता केंद्र, लाह की खेती, जनसंगठन व नेटवर्क कार्यक्रम का संचालन
2.	पलामू	मनातू, चैनपुर, रामगढ, सतबरवा	30	लाह की खेती, वनाधिकार कानून, शिक्षा अधिकार कानून में 25 प्रतिशत बजट कैंपने के साथ जनसंगठन व नेटवर्क कार्यक्रम
3.	गढवा	मेराल व मंडरिया	10	लाह की खेती, जन संगठन व नेटवर्क कार्यक्रम

संस्था के पास मानव संसाधन

मानव संसाधनन	पुरुष	महिला	कुल	भौतिक संसाधन	संख्या
कार्यालय स्टॉफ फुल टाई	2	1	3	कार्यालय भवन (मनिका एवं बरवडीह)	2
फिल्ड स्टॉफ फुल टाइम पार्ट टाईम	36	18	4	डीजीटल कैमरा	4
कॉडिनेटर	2	9		कम्प्युटर व लैपटॉप	4+6
				विडियो कैमरा	1
				मोटरसाइकिल	2

संस्था के जीविकोपार्जन व अन्य मुद्दे

- नरेगा सहायता केन्द्र के माध्यम से मनरेगा के बेहत्तर क्रियान्वयन हेतु हस्तक्षेप एवं जनवकालत।
- सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार व वनाधिकारी सहित सभी अधिकार के लिए बने कानूनों का प्रचार प्रसार, हस्तक्षेप व जनवकालत।
- किसान समूहों के माध्याम से लाह की खेती।
- श्री विधि से धान की खेती
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु हस्तक्षेप एवं जनवकालत।
- गांव व स्वच्छ व स्वस्थ्य बनाने की परिकल्पना।
- शिक्षा, स्वास्थ्य व जागरूकता के लिए पहल।

नेटवर्क के अंतर्गत कार्यक्रम

क्र सं	कार्यक्रम	नेटवर्क	मुद्दा	क्षेत्र
1.	TSP and SCSP बजट कैंपेन	एन.सी.डी.एच.आर, नई दिल्ली	दलित व आदिवासी उप योजना	पलामू, गढ़वा, लातेहार व झारखंड के अन्य जिले
2.	RTE 25 % कैंपेन	CSEI, New Delhi and JEWG, Jharkhand	षिक्षा कानून में कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए 25 प्रतिषत के को लेकर प्रचार-प्रचार	पलामू, गढ़वा और लातेहार
3.	वन भूमि पर सामुदायिक व व्यक्ति पट्टा का लेकर कैंपेन	झारखंड वनाधिकार मंच व कल्याण विभाग झारखंड, सरकार	वनाधिकार कानून के प्रावधान की जानकारी व जागरूकता	पलामू, गढ़वा व लातेहार
4.	मनरेगा व भोजन के अधिकार अभियान का लेकर जनवकालत व जागरूकता कार्यक्रम	नरेगा वॉच, झारखंड भोजन के अधिकार अभियान, झारखंड	मनरेगा व भोजन के अधिकार कानून व सामाजिक के सुरक्षा	पलामू, गढ़वा और लातेहार

हमारे कार्यक्रम

लाह बीज उत्पादन

ग्रामीणों के आजीविका संसाधन को मजबूत करना **मल्टी आर्ट एसोसिएशन** संस्था का मुख्य उद्देश्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए **एस.पी.डब्लू.डी.** रांची के सहयोग से लातेहार जिले के मनिका प्रखंड अंतर्गत जेरूआ व बारियातू गांव में अक्टूबर 2012 में लाह की खेती प्रारंभ की गई। शुरूआती दौर में लाह खेतीको पुनर्जीवित करने के लिए लाह बीज बैंक का निर्माण किया गया था। संस्था द्वारा दोनों गांवों में करीब 55 किसानों के बीच 305 पलास व बैर के पेड़ पर लाह खेती की प्रारंभ किया गया था। संस्था प्रथम वर्ष में पलास के पेड़ों पर लाह बीज का उत्पादन करना चाहती थी, ताकि पुनः लातेहार जिले के मनिका इलाके में लाह उत्पादन को बढ़ाया जा सके। पलामू प्रमण्डल (पलामू, गढ़वा व लातेहार) देश स्तर पर सर्वाधिक लाह उत्पादन में अग्रणी प्रमण्डल रहा है और लोगों के आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा लाह खेती रहा है, मगर हाल के दिनों में लाह पूर्ण रूप से पलामू इलाके से गायब हो गयी, जिससे आदिवासी समुदाय व अन्य लोगों के समक्ष आजीविका के लिए एक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी है। संस्था ने लाह की खेती को पुनर्जीवित कर लोगों के आजीविका को मजबूत करने की दिषा में पहल षुरू किया है। संस्था को किसानों द्वारा प्राप्त बीज को पलामू व लातेहार के छह नयें गांवों में किसान क्लब के माध्यम से किसानों के बीच वितरण किया गया।

संस्था ने छह गांवों में 200 किसानों के साथ मिलकर 1500 पलास व बैर पेड़ों पर लाह उत्पादन का काम शुरू किया। इन सभी गांवों में किसान क्लब का गठन कर लाह उत्पादन कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

2013–2014 में किये जा रहे लाह खेती का विवरण

क्र.सं.	जिला	प्रखंड	पंचायत	गांव	किसानों की संख्या	लाह लगाये गये पेड़ की संख्या				दिये गये लाह बीज की मात्रा (कि0 ग्रा0)			नेट की सं0
						पलास	बैर	कुसुम	कुल	पलास	बैर	कुसुम	
1	लातेहार	मनिका	कोपे	जगतू	45	228	22	0	250	135	0	0	3000
2.	लातेहार	मनिका	कोपे	कोपे	21	87	59	2		50	0	0	940
3.	लातेहार	मनिका	कोपे	उच्चवाबाल	38	138	60	16	214	100	0		1200
4	लातेहार	मनिका	नामुदाग	सधवाडी (करमाही)	21 किसान	120	40	0	140	75	0	0	1400
5.	लातेहार	मनिका	कोपे	जेरुआ	21 पुराने 7 नये	257	26	0	0	किसान का बीज	0	0	8000
6.	पलामू	मनातू	पदमा	मैरापुर	48	448	0	0	448	250	0	0	5000
कुल	2 जिला	2 प्रखंड	3 पंचायत	6 गांव	201	1278	209	18	105	610	0	0	

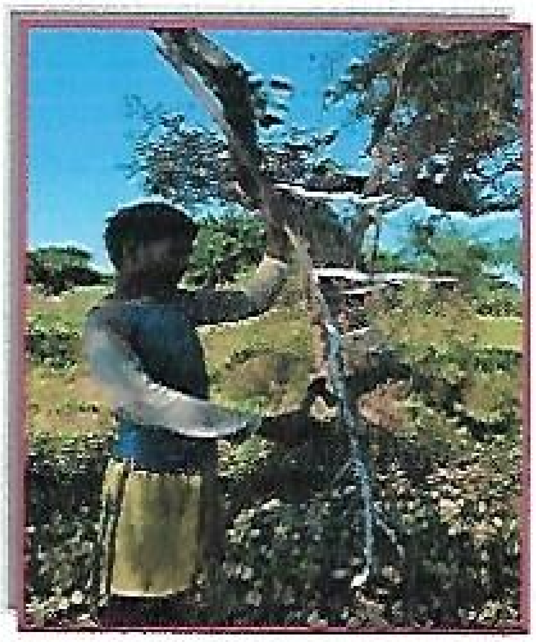

मेनोनाइट चर्च को जेरुआ किसान क्लब द्वारा 30 किलो पलास पेड़ का बीज तथा 500 नेट बेचा गया है, वहीं 50 किलो बैर पेड का बीज कृषि विज्ञान केंद्र, बलागूमथ को दिया गया है। किसान क्लब ने बीज का मुल्य निर्धारित कर 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब बीज विक्री किया है। संस्था द्वारा अब तक करीब 20000 नाईलान नेट तथा तीन गटूर पंप, तथा दवाई की व्यवस्था की गयी है। लाह की खेती के लिए 6 गांव के 201 किसानों ने प्रति पेड़ के हिसाब से 25 रुपये सहयोग किसान क्लब के सहमति से तय किया गया था। परन्तु कुछ किसान सहयोग राषि अब तक जमा नहीं कर पाये हैं। संस्था द्वारा आगामी फुंकी लाह में से 20 प्रतिषत किसान क्लब को देगा। जिससे किसान क्लब का खाता खोला जायेगा। संस्था के कार्यकर्ता किसानों के साथ लगातार बैठक कर उनके लाह खेती की जानकारी तथा उन्हें हर दृष्टिकोण से सहयोग कर रही है।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सशक्तीकरण अभियान

ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रत्येक माह एक दिन मनाया जाता है, जहाँ स्वास्थ्य एवं पोषण की सेवाएं पोषक क्षेत्र के सभी लाभुक को दी जाती है। ये सेवाएं स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण एवं महिला बाल विकास विभाग के द्वारा अन्य विभागों के साथ समन्वय कर दी जाती हैं।

ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस सशक्तीकरण अभियान का उद्देश्य :–

- समुदाय को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दिन मिलने वाली सेवाओं के प्रति जागरूक करना।
- ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दिन मिलने वाली सेवाओं की समीक्षा व देखरेख सुनिश्चित करना।
- ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन मिलने वाली सेवाओं में पारदर्शिता लाना तथा सेवाओं के क्रियान्वयन के लिए जवाबदेही तय करना।

यह सषक्तीकरण अभियान समाज द्वारा योजनाओं की पहुँच, गुणवत्ता, निरंतरता, प्रभाव, उपयोगिता और भागीदारी संबंधी स्थिति को जानने, उसके कारण को समझने और इसके सुधार की दिशा में किये जाने वाले प्रयास की प्रक्रिया होगी। इस अभियान में समुदाय को केन्द्र में रखते हुए ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दिन केन्द्र में मिलने वाली सेवाओं से संबंधित तथ्यों को जानने, समझने की प्रक्रिया होगी जिसके आधार पर सषक्तीकरण व नियमित देखरेख की प्रक्रिया समुदाय द्वारा की जा सके।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के समीक्षा की प्रक्रिया

राज्यस्तरीय प्रशिक्षण :– ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सशक्तीकरण हेतु दो दिवसीय प्रषिक्षण दिनांक 10 एवं 11 जनवरी 2014 को संपन्न हुई। इस प्रषिक्षण मे 24 जिलों से स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य को प्रषिक्षण लिये । प्रषिक्षण में स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में मिलने वाली सेवाओं तथा समीक्षा की प्रक्रिया एवं प्रपत्र पर चर्चा विस्तृत वर्चा की गई। प्रषिक्षण लेने के बाद वे स्वैच्छिक संस्था के प्रतिनिधि अपने चिह्नित पंचायतों के एक–एक व्यक्ति का चयन कर उनको समीक्षा की प्रक्रिया एवं व्यवहार होने वाले प्रपत्र के ऊपर प्रशिक्षण दिये।

समुदाय के प्रतिनिधि के साथ बैठक :

स्वैच्छिक संस्था चयनित आंगनबाड़ी क्षेत्र से पांच सदस्य जो ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस की समीक्षा कार्य में समय देने हेतु इच्छुक थे, उनका चयन किया गया। जो निम्नलिखित अलग–अलग क्षेत्रों से संबंध रखते हैं :

- पंचायती राज सदस्य
- माता समिति/महिला मंडल
- षिक्षक
- लाभुक
- ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्य

चयन के बाद ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के एक दिन पहले चयनित सदस्यों से मिलकर उन्हें ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन मिलने वाले सेवाओं की जानकारी दी गई तथा समीक्षा की प्रक्रिया तथा उद्देष्यों से अवगत कराया गया। इन सभी को. ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन शामिल होकर समीक्षा करने के लिए प्रेरित की गई।

राज्य स्तरीय बैठक

सभी जिला के ग्राम स्वास्थ्य एंव पोषण दिवस समीक्षा के रिपोर्ट निष्कर्ष एवं जिला स्तरीय बैठक के माध्यम से बनी योजना पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजन किया गया। कार्यषाला में पलामू जिला के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यषाला में ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस समीक्षा के निकल कर आये बिन्दुओं पर चर्चा किया गया।

आदिम जनजाति के बच्चों के शिक्षा अधिकार हेतू कार्यक्रम

आदिम जनजाति बच्चों का विद्यालयों में दाखिला अभियान 2014

लातेहार जिले में आदिम जनजाति समुदाय के बच्चों की शिक्षा हेतु कुल 6 विद्यालयों का संचालन राज्य सरकार कर रही है। जिसमें 2 विद्यालय कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों के लिए संचालित की जा रही है। लेकिन वास्तविकता यह है कि इस समुदाय के अधिकांश बच्चे निरक्षर रह जाते रहे हैं। इसके पीछे विभिन्न कारण हैं। उनमें से एक प्रमुख कारण आदिम जनजाति समुदाय सदस्यों को ऐसे विद्यालयों के संबंध में सीमित जानकारी है। दूसरा कारण यह है कि विद्यालय में दाखिला हेतु संबंधित विभाग द्वारा जो विज्ञापन समाचार पत्रों में प्रकाशित किये जाते हैं, वह अत्यंत सीमित अवधि की अंतिम तिथि होने के कारण इसकी सूचना बहुत कम ही अभिभावकों तक पहुंच पाती है। इस कारण भी लोग दाखिल संबंधी फार्म नहीं भर पाते हैं। एक और भी कारण है नामांकन पूर्व बच्चों को प्रवेश परीक्षा से गुजरना पड़ता है। जो कि इस समुदाय के बच्चों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होता है। क्योंकि इन बच्चों को कभी भी किसी प्रकार का स्कूलपूर्व शिक्षा का अवसर मिल पाता है।

संस्था ने इस वर्ष फरवरी माह में आदिम जनजाति समुदाय के सामाजिक लीडरों के साथ बैठक कर पढ़ने योग्य बच्चों को विद्यालयों में दाखिला हेतु अभियान चलाने की रणनीति तैयार की। जिसके फलस्वरूप 3 गांवों से 29 बच्चों ने दाखिला हेतु फार्म भरकर प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। सभी बच्चे पहली कक्षा में नामांकन हेतु परीक्षा दिये थे। कुल 18 बच्चे ही प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। इन सभी बच्चों का नामांकन संबंधित विद्यालयों में किया जा चुका है। ये बच्चे लातेहार जिले के मनिका प्रखण्ड अन्तर्गत लंका (उच्वाबाल) तथा बरवाडीह प्रखण्ड के अगवारीकर और केड़ (चौंठीखाड़) के हैं।

नामांकित छात्रों को पठन सामग्री का वितरण

वर्ष 2014 में जिन छात्रों ने पहली कक्षा में दाखिला लिया है। उन सभी बच्चों को दिनांक 19 अप्रील 2014 को एक सादे कार्यक्रम में बेहत्तर शिक्षा का माहौल मिल सके, इसके लिए संस्था मल्टी आर्ट एसोसिएशन को प्राप्त चन्दा राशि से शिक्षण सामग्री मुहैया कराई गयी। शिक्षण सामग्री में कॉपी, कलम, पेंसिल, रबर इत्यादि शामिल थे। शिक्षण सामग्री प्राप्त कर बच्चे बहुत खुश थे। वहीं बच्चों के अभिवावकों ने भी निकट भविष्य में अपने बच्चों की शिक्षा जारी रखने की वचनबद्धता दोहराई।

पर्यावरण जागरूकता (NEAC) कार्यक्रम

12 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के तहत लातेहार जिला के मनिका प्रखंड स्थित लोहिया भवन में वीरसा व मल्टी आर्ट एसोसिएषन के सहयोग से जैवविविधता के साथ–साथ रसायनिक खादों के प्रयोग से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को रोकने हेतू एक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन किया गया। कार्यषाला में मनिका प्रखंड के जेरूआ, जगता, कोपे बारियातू सहित

कई गांव में करीब 80 से 100 दलित व आदिवासी समुदाय के महिला व पुरुष ने भाग लिया। कार्यषाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जेम्स हेरेंज ने कहा कि आज हमलोगों पर्यावरण को नुकसान पहुचा रहे है, जिसके कारण हमारा जीवन खतरे में पड़ गया है। उन्होंने रसायनिक खादों के इस्तेमाल से लगातार पर्यावरण पर असर पड़ रहा है, जिसके कारण आज कई पंछी, पषु व फसल विलुप्त होने के कगार पर है। वहीं कार्यषाला को संबोधित करते हुए मिथिलेष कुमार ने कहा कि रसायिक खादों के प्रयोग से बचने के लिए हमलोगों जैविक खाद पर ध्यान देना होगा, उन्होंने कहा कि आज हमारे आस पास कुड़े कचरे खाद बनाया जा सकता है, जिससे पर्यावरण का नुकसान काफी कम होगा था, अधिक उपज होगी। कार्यषाला मे भुखन सिंह, ष्यामा सिंह, पचाठी सिंह, लिलू सिंह, बिरबल सिंह, मुंगेष्वर सिंह सहित काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

दिनांक 13 फरवरी 2014 को दूसरे दिन 12 फरवरी को कार्यषाला में बताया जैविका खाद को प्रयोगिक तौर पर बनाने हेतू लातेहार जिला के मनिका प्रखंड अंतर्गत जेरूआ गांव में प्रयोगिक तौर पर जैविक खाद बनाने के लिए कार्यषाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जेरूआ,

जगतू, कोपे सहित आस पास के करीब 40 से 50 किसानों ने भाग लिया तथा कुड़े–कचरे से जैविक खाद बनाने का प्रयोगिक तरीका सिखा। इस संस्था द्वारा नियुक्ति प्रषिक्षक मिथिलेष कुमार ने किसानों को कुड़े कचरे से खाद बनाने का पूरीका बताया कि गया, इस कार्यक्रम के एक ड्रम में बैक्टरिया कल्चर से खाद तथा बायोडांग बनाकर किसानों को बताया गया। इसके बाद किसानों हम लोग जैविक खाद बनाकर अपने खेतों प्रयोग करेंगे।

06

न्यूज अपडेट

अन्य संगठन/सरकारी संस्थानों के साथ नेटवर्क

- रोजी–रोटी अधिकार अभियान (राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर)
- ग्राम स्वराज अभियान झारखण्ड (राज्य स्तर)
- झारखण्ड नरेगा वॉच (राज्य स्तर)
- इज्जत से जीने का अधिकार अभियान (जिला स्तर)
- भारतीय जननाट्य संघ (पलामू जिला स्तर)
- जिला प्रषासन लातेहार, पलामू एवं गढ़वा
- सर्ड एवं मनरेगा आयुक्त कार्यालय, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
- राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, झारखण्ड सरकार
- साझा मंच और एकता परिषद।
- झारखंड वनाधिकार मंच

अकेक्षण रिर्पोट

संस्था के अन्य गतिविधि /कार्यक्रम

- संस्था नरेगा, पानी, दलित आदिवासी व महिलाओं के समस्याओं को लेकर डक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। संस्था यह प्रयास करते हुए मुद्दा आधारित डक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से लोगों के हक व न्याय के लिए जारूक करें, इसके प्रयास के लिए हमेशा आगे कारते रहेगी।
- संस्था के आदिवासी, दलित व महिलाओं तथा बच्चों के अधिकार व आजीविका के लिए कार्यक्रम को लागू व संचालन करने का प्रयास करते रही है।

संस्था द्वारा अबतक व वर्तमान में चलाये जा रहे कार्यक्रम व सहायोगी संस्था, दाता संस्था व एजेंसी का विरणा

क्र.सं	परियोजना का नाम	सहयोगी संस्था/एजेंसी	वित्तीय वर्ष	लाभुक परिवार की संख्या	कार्य क्षेत्र
1.	टीएससी कार्यक्रम	पेयजल व स्वच्छता विभाग, पलामू	2010-11 2011-12	800 परिवार	जिला – पलामू, प्रखंड – चैनपुर, पंचायत – नहुआंव मोहनपुर
2	मनरेगा को पंचा सालो की प्लानिंग कार्यक्रम	जिला ग्रामीण विकास विभाग (डीआरडीए) लातेहार	2010-11	25 के सभी परिवारों के साथ	जिला-लातेहार प्रखंड- मनिका पंचायत- डोकी, जगुर, कोपे, नामुदाग, दुदु
3	मनरेगा मेट प्रशिक्षण	जिला ग्रामीण विकास विभाग (डीआरडीए) लातेहार	2010-11	15 रोजगार सेवक पंचायत सेवक	जिला-लातेहार प्रखंड – मनिका
4.	श्रीविधि से धान की खेती	एसपीडब्ल्यूडी	2012-13	300 किसान	पलामू व लातेहार जिला लातेहार में मनिका प्रखंड तथा पलामू जिला में सतबरवा और छतरपुर
3.	वैज्ञानिक तरीके से लाह की खेती	आईटीडीए, लातेहार	2014 से जारी	300 परिवार	जिला –लातेहार प्रखंड – बालू पंचायत – मायापुर और बारेसाढ़ गांव – मायापुर, बारेसाढ़, पहाड़कोचा, सेरनदाग प्रखंड – महुआडाड़ पंचायत – अक्सी और दुरुप गांव – अक्सी, चोरमा, टपर टपाना, पहाड़कोचा
5.	लाह की खेती	एस.पी.डब्ल्यू.डी	2013 अब तक	मनिका – 33 बरवाडीह – 29 पलामू – 32	जिला – लातेहार व पलामू लातेहार में – मनिका व बरवाडीह प्रखंड पलामू में – पलामू
6.	एन.ई.ए.सी. कार्यक्रम	वन एवं पर्यावरण मंत्रालय व RKVA	2014	30 परिवार	जिला–लातेहार प्रखंड :– मनिका पंचायत :– कोपे गांव :– जोकना
7	मीएफएनटी कार्यक्रम	सीडी. झारखंड	2014	32 परिवार	जिला – पलामू प्रखंड :– डालटनगंज सदर, छतरपुर और सतबरवा
8	सीएफटी–मनरेगा	एस.पी.डब्ल्यू.डी. जेएसएलपीएस व भारत सरकार	2014 से अब जारी	बरवाडीह के गांव–62 मनिका के गांव सूत 61	जिला :– लातेहार प्रखंड :– बरवाडीह और मनिका